अभ्यास पत्रक

पाठ: 9 - आदमी का अनुपात

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) कविता के अनुसार, ब्रह्मांड की तुलना में मनुष्य का स्थान कैसा है?

(क) बहुत विशाल (ख) अत्यंत सूक्ष्म (ग) देवताओं के समान (घ) सबसे महत्वपूर्ण

(ii) अनगिनत नक्षत्रों के बीच पृथ्वी को कैसा बताया गया है?

(क) एक बड़ी नीली गेंद (ख) करोड़ों में एक ही छोटी

(ग) सबसे सुंदर ग्रह (घ) देवताओं का घर

(iii) कविता में किस-किस का अनुपात (तुलना) दिखाया गया है?

(क) घर और कमरे का (ख) देश और प्रदेश का

(ग) पृथ्वी और नक्षत्रों का (घ) आदमी और विराट (ब्रह्मांड) का

(iv) कविता में 'नभ गंगा' किसे कहा गया है?

(क) आकाश में बहने वाली नदी (ख) आकाशगंगा (The Milky Way)

(ग) बादलों के समूह (घ) इंद्रधनुष

(v) यह कविता किस कवि द्वारा लिखी गई है?

(क) महादेवी वर्मा (ख) दुष्यंत कुमार (ग) गिरिजा कुमार माथुर (घ) कबीर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) कविता के अनुसार, कमरा किसके अंदर है?

उत्तर- .....

(ii) मुहल्ला किसके अंदर स्थित है?

उत्तर- .....

(iii) देश किस पर स्थित हैं?

उत्तर- .....

(iv) लाखों ब्रह्मांडों में हमारा क्या है?

उत्तर- .....

(v) कवि के अनुसार हर ब्रह्मांड में क्या-क्या हैं?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) कविता में छोटे से बड़े के क्रम को कैसे दर्शाया गया है? कमरे से लेकर देश तक का क्रम लिखिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) "अनगिन नक्षत्रों में पृथ्वी एक छोटी, करोड़ों में एक ही" - इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(iii) कवि गिरिजा कुमार माथुर द्वारा रचित प्रसिद्ध भावांतर गीत कौनसा है?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) 'आदमी का अनुपात' कविता के पहले भाग में कवि ने मनुष्य के छोटेपन को दर्शाने के लिए किस प्रकार एक विशाल परिदृश्य की रचना की है? विस्तार से समझाइए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) अत्यंत सूक्ष्म

(ii) (ख) करोड़ों में एक ही छोटी

(iii) (घ) आदमी और विराट (ब्रह्मांड) का

(iv) (ख) आकाशगंगा (The Milky Way)

(v) (ग) गिरिजा कुमार माथुर

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) कविता के अनुसार, कमरा घर के अंदर है।

(ii) मुहल्ला नगर के अंदर स्थित है।

(iii) देश पृथ्वी पर स्थित हैं।

(iv) लाखों ब्रह्मांडों में हमारा अपना एक ब्रह्मांड है।

(v) कवि के अनुसार हर ब्रह्मांड में कितनी ही पृथ्वियाँ, भूमियाँ और सृष्टियाँ हैं।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) कविता में छोटे से बड़े का क्रम इस प्रकार है: दो व्यक्ति कमरे में हैं, कमरा घर में है, घर मुहल्ले में है, मुहल्ला नगर में है, नगर प्रदेश में है और प्रदेश देश में है।

(ii) इन पंक्तियों का भाव है कि यह ब्रह्मांड अनगिनत तारों और नक्षत्रों से भरा है, जिनकी तुलना में हमारी पूरी पृथ्वी भी एक छोटे से कण के समान है। करोड़ों ग्रहों में हमारी पृथ्वी अकेली और बहुत छोटी है।

(iii) कवि गिरिजा कुमार माथुर द्वारा रचित प्रसिद्ध भावांतर गीत 'होंगे कामयाब' है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) कविता के पहले भाग में कवि ने मनुष्य के छोटेपन को दर्शाने के लिए एक क्रमबद्ध विस्तार का प्रयोग किया है। वे एक बहुत ही छोटी इकाई 'कमरे में दो व्यक्ति' से शुरू करते हैं। फिर वे पाठक को धीरे-धीरे एक बड़े परिदृश्य की ओर ले जाते हैं: कमरा घर में है, घर मुहल्ले में, मुहल्ला नगर में, नगर प्रदेश में और कई प्रदेश एक देश में। इसके बाद वे इस दायरे को और विशाल करते हुए बताते हैं कि पृथ्वी पर ऐसे कई देश हैं। फिर वे पृथ्वी को भी अनगिनत नक्षत्रों के बीच एक छोटा सा कण बताते हैं। अंत में वे इस ब्रह्मांड को भी लाखों ब्रह्मांडों में से एक बताते हैं, और कहते हैं कि हर ब्रह्मांड में अनगिनत पृथ्वियाँ और सृष्टियाँ हैं। इस प्रकार एक कमरे से शुरू करके लाखों ब्रह्मांडों तक की यात्रा कराकर कवि यह स्थापित करते हैं कि इस विराट सृष्टि की तुलना में मनुष्य का अस्तित्व लगभग नगण्य है।